NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DAINIK BHASKAR, Surat, 31.8.2023
Page No. 2, Size:(14.51)cms X (8.69)cms.

बुलेट रेल प्रोजेक्ट

अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का सूरत पहला ऐसा निर्माणाधीन स्टेशन, जिसका कॉन्कोर्स और रेल लेवल स्लैब तैयार

सूरत | मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर सूरत हाई स्पीड रेल स्टेशन का कॉनकोर्स और रेल लेवल स्लैब का काम पूरा कर लिया गया है। अंतरोली में बन रहा बुलेट ट्रेन का सूरत स्टेशन हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का पहला ऐसा निर्माणाधीन स्टेशन है, जिसका 450 मीटर लंबा कॉनकोर्स और 450 मीटर लंबा रेल लेवल स्लैब बन गया है। इस स्टेशन पर पहला स्लैब 22 अगस्त 2022 और आखिरी स्लैब 21 अगस्त 2023 को ढाला गया।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DIVYA BHASKAR, Surat, 31.8.2023
Page No. 2, Size:(14.16)cms X (10.23)cms.

Bullet Train Project: Concourse and rail level slab ready at first under-construction station in Surat of Ahmedabad-Mumbai High Speed Rail Corridor

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ : અમદાવાદ-મુંબઇ હાઇસ્પીડ રેલ કોરિડોરના સુરતમાં પહેલા નિર્માણાધીન સ્ટેશન પર કોન્કોર્સ અને રેલ લેવલનો સ્લેબ તૈયાર

ટ્રાન્સપોર્ટેશન રિપોર્ટર | સુરત

મુંબઇ-અમદાવાદ હાઇ સ્પીડ કોરિડોર પર સુરત હાઇસ્પીડ રેલ સ્ટેશનના કોનકોર્સ અને રેલ લેવલ સ્લેબ (ટ્રેકનો સ્લેબ)નું કામ પૂર્ણ થયું છે. અંત્રોલીમાં બની રહેલા બુલેટ ટ્રેનના સુરત સ્ટેશન પહેલું એવું નિર્માણ પામેલું સ્ટેશન છે કે જેમાં 450 મીટર લાંબો કોનકોર્સ અને રેલ લેવલ સ્બેલનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. જે પણ એક વર્ષની અંદર જ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. સુરત એચએસઆર સ્ટેશનનો પહેલો સ્લેબ ઓગસ્ટ-2022માં નખાયો હતો, જ્યારે છેલ્લો સ્લેબ ઓગસ્ટ-2023માં નખાયો હતો. ઓરંગા નદી પરના 320 મીટરના બ્રિજનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. અમદાવાદ-મુંબઈ વચ્ચેના બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં 24 રિવર બ્રિજ બનાવાઈ રહ્યા છે. જેમાં ગુજરાતમાં 20 બ્રિજ છે. તેમાંથી 5 બ્રિજનું નિર્માણ થઈ ગયું છે.

બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશનનો 3ડી વ્યૂ

મેટ્રો સ્ટેશન-BRTS સ્ટોપ નજીકમાં જ હશે

સુરત હાઇ સ્પીડ રેલ સ્ટેશનથી સૌથી નજીક મેટ્રો સ્ટેશન અને બીઆરટીએસ બસ સ્ટોપ હશે. મેટ્રો સ્ટેશન 280 મીટર પર હશે, જ્યારે બીઆરટીએસ બસ સ્ટેશન 330 મીટર પર હશે. સુરત રેલવે સ્ટેશન 11 કિમી, સિટી બસ સ્ટેશન 10 કિમી અને ચલથાણ રેલવે સ્ટેશન 5 કિમી તેમજ 5 કિમી પર એનએચ-48 આવશે.

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 31.8.2023
Page No. 3, Size:(23.31)cms X (10.20)cms.

पहला स्टेशन जिसके कॉनकोर्स और रेल लेवल स्लैब का कार्य पूरा हुआ

बुलेट ट्रेन का सूरत स्टेशन लेने लगा आकार

2785.43 मीट्रिक टन स्टील और 13,672 घनमीटर कंक्रीट का इस्तेमाल हुआ स्टेशन बिल्डिंग में

450 मीटर लंबा कॉनकोर्स और रेल लेवल 450 मीटर लंबा है

कॉनकोर्स में सुविधाएं

- प्रतीक्षा क्षेत्र और व्यापार कक्ष।
- शौचालय
- नर्सरी
- दुकानें एवं कियोस्क।
- टिकट काउंटर और कस्टमर केयर।

ग्राउंड लेवल पर ये सुविधाएं

- पार्किंग।
- पिकअप और ड्रॉप-वे (कार, बस और ऑटो)
- पैदल यात्री प्लाजा।
- सुरक्षा जांच।
- लिफ्ट, एस्कलेटर और ट्रैवलेटर्स

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. अहमदाबाद-मुम्बई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का पहला सूरत बुलेट ट्रेन (एचएसआर) स्टेशन का कॉनकोर्स और रेल लेवल स्लैब पूरा कर लिया गया है। यह निर्माण एक वर्ष में पूरा किया गया है। जबकि बुलेट ट्रेन रुट पर दक्षिण गुजरात में पांच नदियों पर पुल पहले ही तैयार किया जा चुका है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरिडोर लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों ने बताया कि सूरत एचएसआर स्टेशन पर पहला स्लैब 22 अगस्त 2022 को और आखिरी स्लैब 21 अगस्त 2023 को ढाला गया, यानी एक साल की अवधि के भीतर कॉनकोर्स और रेल लेवल स्लैब का कार्य पूरा किया गया है। सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन का कॉनकोर्स 450 मीटर लंबा और रेल लेवल 450 मीटर लंबा है। कॉनकोर्स लेवल के डायमेंशन 37.4 मीटर गुणा 450 मीटर का है, जिसमें 9 स्लैब हैं। इस कार्य के लिए कंक्रीट की मात्रा 13,672 घन मीटर और स्टील रीइन्फोर्समेंट का 2785.43 मीट्रिक टन इस्तेमाल किया गया है। गौरतलब है कि दक्षिण गुजरात में वलसाड जिले की औरंगा नदी पर पांचवा पुल तैयार हो गया है। यह पुल वापी और बिलीमोरा एचएसआर स्टेशन के बीच में करीब लंबाई 320 मीटर है। इसके पहले चार नदी पार, पूर्णा, मिंढोला और अंबिका पर पुल तैयार किए जा चुके हैं।

RAJASTHAN PATRIKA, Delhi, 31.8.2023

Page No. 10, Size:(10.94)cms X (15.44)cms.

कॉनकोर्स में सुविधाएं

- प्रतीक्षा क्षेत्र और व्यापार कक्ष।
- शौचालय
- नर्सरी
- दुकानें एवं कियोस्क।
- टिकट काउंटर और कस्टमर केयर।

ग्राउंड लेवल पर ये सुविधाएं

- पार्किंग।
- पिकअप और ड्रॉप-वे (कार बस और ऑटो)
- पैदल यात्री प्लाजा।
- सुरक्षा जांच।
- लिफ्ट, एस्कलेटर और ट्रैवलेटर्स

पहला स्टेशन जिसके कॉनकोर्स और रेल लेवल स्लैब का कार्य पूरा हुआ

बुलेट ट्रेन का सूरत स्टेशन लेने लगा आकार

2785.43 मीट्रिक टन स्टील और 13,672 घनमीटर कंक्रीट का इस्तेमाल हुआ स्टेशन बिल्डिंग में

450 मीटर लंबा कॉनकोर्स और रेल लेवल 450 मीटर लंबा है

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. अहमदाबाद-मुम्बई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का पहला सूरत बुलेट ट्रेन (एचएसआर) स्टेशन का कॉनकोर्स और रेल लेवल स्लैब पूरा कर लिया गया है। यह निर्माण एक वर्ष में पूरा किया गया है। जबकि बुलेट ट्रेन रुट पर दक्षिण गुजरात में पांच नदियों पर पुल पहले ही तैयार किया जा चुका है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरिडोर लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों ने बताया कि सूरत एचएसआर स्टेशन पर पहला स्लैब 22 अगस्त 2022 को और आखिरी स्लैब 21 अगस्त 2023 को डाला गया, यानी एक साल की अवधि के भीतर कॉनकोर्स और रेल लेवल स्लैब का कार्य पु किया गया है। सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन का कॉनको 450 मीटर लंबा और रेल लेवल 450 मीटर लं है। कॉनकोर्स लेवल के डायमेंशन 37.4 मीटर गु 450 मीटर का है, जिसमें 9 स्लैब हैं। इस कार्य लिए कंक्रीट की मात्रा 13,672 घन मीटर और स्टी रीइन्फोर्समेंट का 2785.43 मीट्रिक टन इस्तेमा किया गया है। गौरतलब है कि दक्षिण गुजरात वलसाड जिले की औरंगा नदी पर पांचवा पुल तैय हो गया है। यह पुल वापी और बिलीमोरा एचएसअ स्टेशन के बीच में करीब लंबाई 320 मीटर है। इस पहले चार नदी पार, पूर्णा, मिंढोला और अंबिका पुल तैयार किए जा चुके हैं।

DAINIK BHASKAR, Mumbai, 31.8.2023
Page No. 2, Size:(11.03)cms X (13.07)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजना : अब बाहरी और अंदरूनी इंटीरियर के काम में आएगी तेजी

सूरत हाई स्पीड स्टेशन का कॉनकोर्स और रेल लेवल स्लैब हो गया तैयार

भास्कर न्यूज़ | मुंबई

देश की पहली हाई स्पीड बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम गुजरात में काफी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। सूरत हाई स्पीड स्टेशन मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर पर पहला स्टेशन बन गया है, जिसका कॉनकोर्स और रेल लेवल स्लैब पूरा कर लिया गया है। अंतरोली में बन रहे सूरत हाई स्पीड रेल स्टेशन का 450 मीटर लंबा कॉनकोर्स और 450 मीटर लंबा रेल लेवल पूरा हो चुका है। सूरत बुलेट रेल स्टेशन पर पहला स्लैब 22 अगस्त 2022 को और आखिरी स्लैब 21 अगस्त 2023 को ढाला गया, यानी एक साल की अवधि के भीतर, कॉनकोर्स और रेल लेवल स्लैब, दोनों का कार्य पूरा किया गया। सूरत हाई स्पीड रेल स्टेशन का रेल स्लैब पूरा हो जाने से अब काम में और तेजी आएगी। इसके बाहरी और अंदरूनी इंटीरियर पर अब काम किया जाएगा। 450 मीटर लंबे रेल लेवल स्लैब पड़ने से स्टेशन का आकार भव्य नजर आने लगा है।

सूरत हाई स्पीड स्टेशन की मुख्य विशेषताएं

1. कॉनकोर्स लेवल के डायमेंशन- 37.4 मीटर x 450 मीटर (9 स्लैब सहित)
2. प्रयुक्त कंक्रीट की मात्रा- 13,672 घन मीटर
3. स्टील रिइंफोर्समेंट का इस्तेमाल- 2785.43 मीट्रिक टन

ये सुविधाएं दी जा रही हैं

ग्राउंड फ्लोर
- पार्किंग सुविधा
- कार, बस ऑटो के लिए पिक अप, ड्रॉप बेस
- पेडेस्ट्राइन प्लाजा
- सिक्योरिटी चेक
- लिफ्ट, एस्कलेटर्स, ट्रवेलेटर्स

कॉनकोर्स फ्लोर
- वेटिंग एरिया और बिजनेस लाउंज
- रेस्ट रूम
- नर्सरी
- शॉप्स, कियोस्क
- टिकट काउंटर और कस्टमर केयर

प्लेटफार्म फ्लोर
- यहां कुल चार प्लेटफार्म

ट्रायल : सूरत से बिलिमोरा के बीच ट्रायल तय

पहला चरण : वापी से साबरमती के बीच पहली बुलेट ट्रेन 2027 में चलने की संभावना

शहर के इन प्रमुख स्थानों की इतनी होगी दूरी

नजदीकी सुविधा	स्टेशन से दूरी	नजदीकी सुविधा	स्टेशन से दूरी
बीआरटीएस स्टेशन	330 मीटर	सूरत सिटी बस स्टैंड	10 किमी
प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन	280 मीटर	चलथान स्टेशन	5 किमी
सूरत रेलवे स्टेशन	11 किमी	नेशनल हाईवे-48	5 किमी